राजस्थान सरकार
सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय

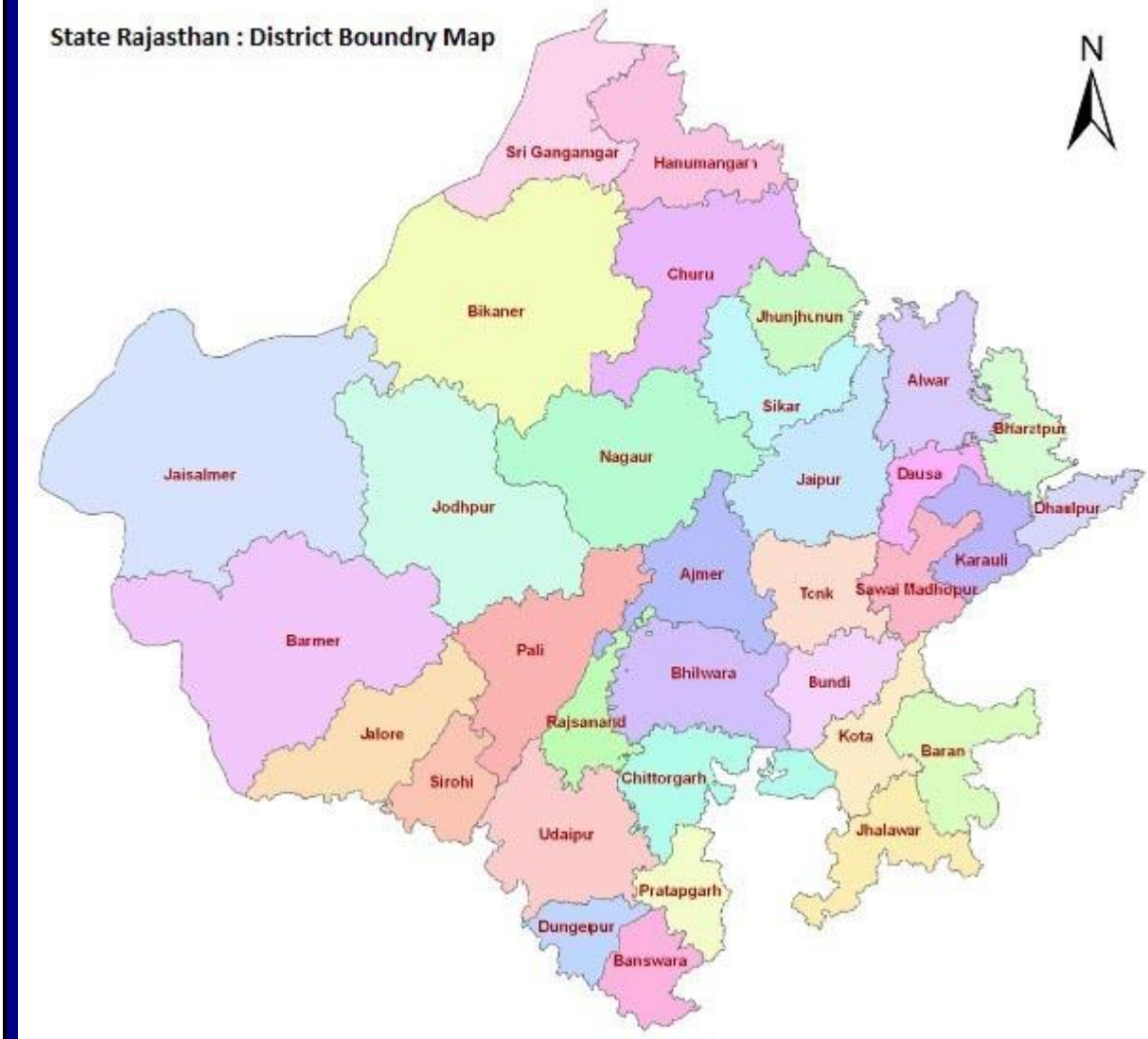

राजस्थान : एक दृष्टि में
(वर्ष 2016–2017)

राजस्थान का गठन

वर्तमान राजस्थान का स्वरूप विभिन्न सात चरणों की प्रक्रिया पूर्ण हाने के बाद 30 मार्च, 1949 को बना, जिसका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार हैः–

(1) मत्स्य संघ–18 मार्च, 1948

प्रथम महत्त्वपूर्ण चरण में 27 फरवरी, 1948 को अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली की रियासतों का विलीनीकरण कर 18 मार्च, 1948 को ''मत्स्य संघ'' का निर्माण हुआ। जिसका नाम श्री कन्हैयालाल माणिक्यलाल मुंशी के सुझाव पर''मत्स्य''रखा गया। जिसका उद्घाटन तत्कालीन केन्द्रीय खनिज एवं विद्युत मंत्री श्री नरहरि विष्णु गाडगिल ने किया।

(2) राजस्थान संघ–25 मार्च, 1948

एकीकरण के दूसरे महत्त्वपूर्ण चरण में 25 मार्च,1948 को कोटा, बूंदी, झालावाड़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, किशनगढ़, टोंक, कुशलगढ़ (चीफशिप्स) और शाहपुरा रियासतों को मिलाकर ''राजस्थान संघ'' का निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन भी श्री नरहरि विष्णु गाडगिल ने ही किया।

(3) संयुक्त राजस्थान–18 अप्रेल, 1948

तीसरे चरण में 18 अप्रेल, 1948 को उदयपुर रियासत का राजस्थान संघ में विलीनीकरण होने पर ''संयुक्त राजस्थान'' का निर्माण हुआ। जिसका उद्घाटन इसी दिन उदयपुर में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने किया।

वस्तुतः वर्तमान राजस्थान का स्वरूप इसी समय बना और यहीं से इसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ।

(4) वृहद् राजस्थान– 30 मार्च, 1949

चौथे चरण में 14 जनवरी, 1949 को उदयपुर की एक सार्वजनिक सभा में सरदार पटेल ने जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, लावा (चीफशिप्स) और जैसलमेर रियासतों को वृहद् राजस्थान में सैद्धांतिक रूप से सम्मिलित होने की घोषणा की। इस निर्णय को मूर्त रूप देने के लिए सरदार पटेल ने 30 मार्च, 1949 को जयपुर में आयोजित एक समारोह में वृहद् राजस्थान का उद्घाटन किया।

(5) संयुक्त वृहद् राजस्थान (मत्स्य का विलय)– 15 मई, 1949

1 मई, 1949 को भारत सरकार ने मत्स्य संघ को वृहद् राजस्थान में मिलाने के लिए विज्ञप्ति जारी की और 15 मई, 1949 को मत्स्य संघ वृहद् राजस्थान का अंग बन गया। साथ ही नीमराना (चीफशिप्स) को भी इसमें शामिल कर लिया गया।

(6) राजस्थान (सिरोही का विलय)– 7 फरवरी, 1950

संयुक्त वृहद् राजस्थान सिरोही के विलय के प्रश्न पर राजस्थान एवं गुजरात नेताओं के मध्य काफी मतभेद थे। अतः 26 जनवरी, 1950 में सिरोही का विभाजन करने और आबू व देलवाड़ा तहसीलों को बम्बई प्रान्त और शेष भाग को राजस्थान में मिलाने का फैसला लिया गया। इसकी क्रियान्विति 7 फरवरी, 1950 को हुई। लेकिन आबू व देलवाड़ा को बम्बई प्रान्त में मिलाने के कारण राजस्थानवासियों में व्यापक प्रतिक्रिया हुई, जिससे 6 वर्ष बाद राज्यों के पुनर्गठन के समय इन्हें वापस राजस्थान को देना पड़ा।

(7) वर्तमान राजस्थान (अजमेर का विलय)– 1 नवम्बर, 1956

भारत सरकार द्वारा श्री फजल अली की अध्यक्षता में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों के आधार पर 1 नवम्बर, 1956 को तत्कालीन अजमेर मेरवाड़ा राज्य भी राजस्थान में विलीन कर दिया गया।

इसी के साथ मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले की मानपुरा तहसील का ग्राम ''सुनेलटप्पा'' राजस्थान में शामिल किया गया जबकि राजस्थान के झालावाड जिले का ग्राम ''सिरोंज'' मध्यप्रदेश को स्थानान्तरित किया गया।

इस प्रकार से वर्तमान राजस्थान के निर्माण की प्रक्रिया सात चरणों में समाप्त हुई और 19 देशी रियासतों और 3 चीफशिप्स वाले क्षेत्रों की जनता राजतंत्र से मुक्त होकर लोकतंत्र की मुख्यधारा में शामिल हुई।

भारत सरकार द्वारा गठित राव समिति की सिफारिशों के आधार पर 7 सितम्बर, 1949 को जयपुर राजस्थान राज्य की राजधानी बनीं।

======

राजस्थान : एक दृष्टि में

वर्ष 2016–2017

भौगोलिक स्थिति	23°30' एवं 30° 12' उत्तरी अक्षांश 69° 30' एवं 78° 17' पूर्वी देशान्तर के मध्य
क्षेत्रफल	3,42,239 वर्ग किलोमीटर **(देश के भौगोलिक क्षेत्र का 10.4 प्रतिशत, भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य)**
सबसे कम क्षेत्रफल वाला जिला	धौलपुर (3033 वर्ग किलोमीटर)
सबसे अधिक क्षेत्रफल वाला जिला	जैसलमेर (38401 वर्ग किलोमीटर)
अन्तर्राष्ट्रीय सीमा एवं अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से लगने वाले जिले	1070 किलोमीटर 4 जिले **(बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर एवं श्रीगंगानगर)**
कुल जनसंख्या (15वीं जनगणना–2011 के अनुसार)	6,85,48,437 **(भारत की जनसंख्या का 5.66 प्रतिशत, देश में 8वॉ स्थान)**
शहरी क्षेत्र की जनसंख्या	1,70,48,085 **(राज्य की जनसंख्या का 24.9 प्रतिशत)**
ग्रामीण क्षेत्र की जनसंख्या	5,15,00,352 **(राज्य की जनसंख्या का 75.1 प्रतिशत)**
पुरूष	3,55,50,997
महिला	3,29,97,440
सबसे कम जनसंख्या वाला जिला	जैसलमेर (6,69,919)
सबसे अधिक जनसंख्या वाला जिला	जयपुर (66,26,178)
0–6 वर्ष तक आयु वर्ग की जनसंख्या	1,06,49,504 **(राज्य की जनसंख्या का 15.5 प्रतिशत)**
बालक	56,39,176
बालिका	50,10,328
जनसंख्या में दशक वृद्धि दर (2001–2011)	21.30
सबसे कम दशक वृद्धि वाला जिला	श्रीगंगानगर (10.0)
सबसे अधिक दशक वृद्धि वाला जिला	बाड़मेर (32.5)
जनसंख्या घनत्व	200 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर
सबसे कम घनत्व वाला जिला	जैसलमेर (17 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर)
सबसे अधिक घनत्व वाला जिला	जयपुर (595 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर)
स्त्री पुरूष अनुपात	928 स्त्रियां प्रति एक हजार पुरूष
न्यूनतम स्त्री पुरूष अनुपात वाला जिला	धौलपुर (846)
सर्वाधिक स्त्री पुरूष अनुपात वाला जिला	डूंगरपुर (994)
0–6 वर्ष तक की आयु वर्ग की बालिकाओं एवं बालको का अनुपात	888 बालिका प्रति एक हजार बालक
न्यूनतम अनुपात वाला जिला	झुंझुनूं (837 बालिका प्रति एक हजार बालक)
सर्वाधिक अनुपात वाला जिला	बांसवाड़ा (934 बालिका प्रति एक हजार बालक)
जयपुर जिले का अनुपात	861 बालिका प्रति एक हजार बालक

प्रशासनिक ढांचा	
संभाग	7
जिले	33
उपखण्ड	289
जिला परिषद्	33
विकास प्राधिकरण	3 (जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर)
नगर विकास न्यास	15
नगर निकाय	191 (नगर निगम 7, नगर परिषद 34 एवं नगरपालिकाएं 150)
पुलिस आयुक्तालय	2 (जयपुर एवं जोधपुर)
तहसील	314
उप तहसील	189
पटवार मण्डल	10 हजार 832
राजस्व ग्राम	46 हजार 292
पंचायत समितियां	295
ग्राम पंचायत	9 हजार 890
विधानसभा सदस्य	200
लोकसभा सदस्य	25
राज्यसभा सदस्य	10
जिला प्रमुख	33
प्रधान	295
राज्य की अर्थ व्यवस्था	
12वीं पंचवर्षीय योजना (2012–2017) का आकार	1 लाख 96 हजार 992 करोड़ रूपये **{प्रमुख प्राथमिकता–ऊर्जा (36.92 प्रतिशत) एवं सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाएं (35.28 प्रतिशत)}**
वार्षिक योजना (2016–17) का आकार	99 हजार 693.30 करोड़ रूपये (बजट अनुमान के अनुसार)–**{प्रमुख प्राथमिकता–सामाजिक व सामुदायिक सेवाएं (38.22 प्रतिशत) एवं ऊर्जा (31.64 प्रतिशत)}**
वर्ष 2016–17 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद **(स्थिर कीमतों 2011–12 पर आधारित)**	5,82,642 करोड़ रूपये (अनुमानित)
वर्ष 2016–17 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद **(प्रचलित कीमतों पर आधारित)**	7,49,692 करोड़ रूपये (अनुमानित)
वर्ष 2016–17 में प्रति व्यक्ति आय **(स्थिर कीमतों 2011–12 पर आधारित)**	69 हजार 730 रूपये (अनुमानित)
वर्ष 2016–17 में प्रति व्यक्ति आय **(प्रचलित कीमतों पर आधारित)**	90 हजार 447 रूपये (अनुमानित)
कुल बैंक शाखाएं	6 हजार 822
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	1 हजार 460
राष्ट्रीयकृत बैंक एवं स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया तथा इनकी सहयोगी की शाखाएं	4 हजार 373
अन्तर्राष्ट्रीय बैंक शाखाएं	6
निजी क्षेत्र की बैंक शाखाएं	983

राज्य में न्यूनतम मजदूरी दर **(1 जनवरी, 2017 से)**	उच्च कुशल श्रमिक 277 रूपये प्रतिदिन
	कुशल श्रमिक 227 रूपये प्रतिदिन
	अर्द्ध कुशल श्रमिक 217 रूपये प्रतिदिन
	अकुशल श्रमिक 207 रूपये प्रतिदिन
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम	
राज्य में योजना लागू– प्रथम चरण में	दिनांक 2 फरवरी, 2006 से–राज्य के 6 जिलों (बांसवाड़ा, डूंगरपुर, झालावाड़, करौली, सिरोही एवं उदयपुर) में लागू।
द्वितीय चरण में	दिनांक 2 मई, 2007 से– राज्य के अन्य 6 जिलों (बाड़मेर, चित्तौड़गढ़ जैसलमेर, जालोर, सवाईमाधोपुर एवं टोंक) में लागू।
तृतीय चरण में	दिनांक 01 अप्रेल, 2008 से– राज्य के शेष सभी जिलों में लागू।
वन विभाग	
प्रदेश में वनों का क्षेत्रफल	32 हजार 828.35 वर्ग किलोमीटर (कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.59 प्रतिशत)
आरक्षित वन	12 हजार 352.78 वर्ग किलोमीटर
रक्षित वन	18 हजार 408.85 वर्ग किलोमीटर
अवर्गीकृत वन	2 हजार 066.74 वर्ग किलोमीटर
सर्वाधिक वन क्षेत्र वाला जिला	उदयपुर
न्यूनतम वन क्षेत्र वाला जिला	चूरू
वृक्षावरण क्षेत्र	8,269 वर्ग किलोमीटर
वनावरण एवं वृक्षावरण क्षेत्र	24,440 वर्ग किलोमीटर
राज्य पशु	चिंकारा एवं ऊँट
राज्य पक्षी	गोडावन
राज्य वृक्ष	खेजड़ी
राज्य पुष्प	रोहिड़ा
राष्ट्रीय उद्यान	
राष्ट्रीय उद्यान	3 {रणथम्भौर (सवाईमाधोपुर)–जो कि राज्य का पहला राष्ट्रीय उद्यान है, केवलादेव (भरतपुर) मुकन्दरा हिल्स (कोटा–चित्तौड़गढ़)}
बाघ परियोजनाएं	3 {रणथम्भौर (सवाईमाधोपुर), सरिस्का (अलवर) एवं मुकन्दरा हिल्स}
पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग	
राजकीय संग्रहालय	19
कला दीर्घा	2
संरक्षित स्मारक (पुरास्मारक)	342
पुरास्थल	43

पर्यटन विभाग	
राज्य में पर्यटकों की संख्या **(1 जनवरी, 2016 से दिसम्बर, 2016 तक)**	430.09 लाख
स्वदेशी पर्यटकों की संख्या	414.95 लाख
विदेशी पर्यटकों की संख्या	15.14 लाख
राज्य का खेल	बॉस्केटबॉल
राज्य का नृत्य	घूमर
राज्य का गीत	''केसरिया बालम पधारो नी म्हारे देश''
राज्य की सबसे ऊँची पर्वत चोटी	गुरूशिखर (संतों का शिखर)–1722 मीटर (सिरोही)
राज्य की थर्मापोली	हल्दीघाटी
राज्य का कश्मीर/पूर्व का वेनिस/झीलों की नगरी	उदयपुर
गुलाबी नगर/पूर्व का पेरिस	जयपुर
राजस्थान का गौरव	चित्तौड़गढ़
पहाड़ों की नगरी	डूंगरपुर
राजस्थान का खुजराहो	किराडू
सूर्य नगरी	जोधपुर
वस्त्र नगरी	भीलवाड़ा

सहकारिता विभाग	
कुल पंजीकृत सहकारी समितियां	33 हजार 859
केन्द्रीय सहकारी बैंक	29
प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां	6 हजार 513
जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ	21
प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियां	14 हजार 122
सहकारी थोक उपभोक्ता भण्डार	37
प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक	36
फल, सब्जि वितरण सहकारी समितियां	268
महिला सहकारी समितियां	4 हजार 118
अल्पकालीन सहकारी ऋण वितरण	13519.29 करोड़ रूपये
मध्यकालीन सहकारी ऋण वितरण	500.62 करोड़ रूपये
दीर्घकालीन सहकारी ऋण वितरण	231.96 करोड़ रूपये

शिक्षा विभाग	
साक्षरता प्रतिशत (15वीं जनगणना–2011 के अनुसार)	66.11 प्रतिशत
सबसे कम साक्षर जिला	जालोर (54.86 प्रतिशत)
सबसे अधिक साक्षर जिला	कोटा (76.56 प्रतिशत)
जयपुर जिले की साक्षरता दर	75.51 प्रतिशत (राज्य में दूसरा स्थान)
पुरूष साक्षरता	79.19 प्रतिशत
पुरूष साक्षरता में सबसे कम दर वाला जिला	बांसवाड़ा (69.48 प्रतिशत)
पुरूष साक्षरता में सबसे सर्वाधिक दर वाला जिला	झुंझुनूं (86.90 प्रतिशत)

महिला साक्षरता	52.12 प्रतिशत
महिला साक्षरता में सबसे कम दर वाला जिला	जालोर (38.47 प्रतिशत)
महिला साक्षरता में सर्वाधिक दर वाला जिला	कोटा (65.87 प्रतिशत)
प्राथमिक विद्यालय	40 हजार 186 (35664 राजकीय एवं 4522 निजी)
उच्च प्राथमिक विद्यालय	36 हजार 983 (20744 राजकीय एवं 16239 निजी)
माध्यमिक विद्यालय	11 हजार 829 (4074 राजकीय एवं 7755 निजी)
उच्च माध्यमिक विद्यालय	16 हजार 327 (9444 राजकीय एवं 6883 निजी)
शिक्षक प्रशिक्षक महाविद्यालय	815
शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय	11 (1 राजकीय एवं 10 निजी)
राजकीय विश्वविद्यालय	24
निजी विश्वविद्यालय	44
डीम्ड विश्वविद्यालय (विश्वविद्यालयवत् संस्थाएँ)	7
महाविद्यालय	1 हजार 728 (207 राजकीय, 1508 निजी, 7 स्ववित्तपोषी एवं 6 राजकीय निजीसहभागिता)
राज्य में राष्ट्रीय महत्त्व के अन्य उच्च शिक्षण संस्थान	**जोधपुर**–इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान। **जयपुर**–मालवीय नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी। **उदयपुर**–आई.आई.एम.। **अजमेर**–केन्द्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़।
इंजीनियरिंग महाविद्यालय	120 (12 राजकीय एवं 108 निजी)
पॉलीटेक्निक कॉलेज	197 (42 राजकीय एवं 155 निजी)
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान	1876 (223 राजकीय एवं 1653 निजी)
राज्य में एम.बी.ए. संस्थान	65 (9 राजकीय एवं 56 निजी)
राज्य में एम.सी.ए. संस्थान	37 (6 राजकीय एवं 31 निजी)
राज्य में संस्कृत शिक्षा की कुल संस्थाएं (सरकारी एवं निजी)	25 आचार्य महाविद्यालय (स्नातकोत्तर), 31 शास्त्री महाविद्यालय (स्नात्तक), 169 वरिष्ठ उपाध्याय, 302 प्रवेशिका, 1227 उच्च प्राथमिक पाठशालाएं, 440 प्राथमिक पाठशालाएं, 67 शिक्षाशास्त्री प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं 16 शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

चिकित्सालय (मेडिकल कॉलेज से संबद्ध चिकित्सालयों के अतिरिक्त)	114
डिस्पेंसरीज	194
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	579
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (ग्रामीण)	2 हजार 79
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (शहरी)	52
उप स्वास्थ्य केन्द्र	14 हजार 407
मातृ–शिशु कल्याण केन्द्र	118

एडपोस्ट (शहरी)	13
आयुर्वेद चिकित्सालय एवं औषधालय	3 हजार 695
आयुर्वेद चल इकाई	14
योग एवं प्राकृतिक औषधालय	6
पशुपालन विभाग	
पशुधन संख्या (19वीं पशुगणना–2012 के अनुसार)	577.32 लाख **(देश के पशुधन का 11.27 प्रतिशत)**
गौ वंश	133.24 लाख
भैंस वंश	129.76 लाख
भेड़ वंश	90.80 लाख
बकरी वंश	216.66 लाख
ऊंट वंश	3.26 लाख
अश्व वंश	0.38 लाख
कुक्कुट	80.24 लाख
अन्य	3.22 लाख
बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय	35
प्रथम श्रेणी पशु चिकित्सालय	775
पशु चिकित्सालय एवं औषधालय	1 हजार 915
पशु चिकित्सा उप केन्द्र	3 हजार 570
जिला चल पशु चिकित्सा ईकाई	102
जयपुर मेट्रो	
मेट्रो के प्रस्तावित स्टेशनों की संख्या	**फेज–I** में कुल स्टेशन–11 (भूमिगत –3 एवं एलिवेटेड –8) एवं **फेज–II** में कुल स्टेशन– 20 (भूमिगत –7 एवं एलिवेटेड –13)
जयपुर मेट्रो के मार्ग की लम्बाई (कि.मी.)	**फेज**–I में मानसरोवर से बड़ी चौपड़ तक 12.0 किलोमीटर एवं **फेज**–II में सीतापुरा से अम्बाबाड़ी 23.80 किलोमीटर।
परिवहन एवं संचार विभाग	
राज्य में नेशनल हाई–वे **(मार्च, 2017 तक)**	8 हजार 202.20 किलोमीटर
स्टेट हाई–वे	15 हजार 573.05 किलोमीटर
राज्य में सड़कों की कुल लम्बाई	2 लाख 22 हजार 897.25 किलोमीटर
डामर सड़कें	1 लाख 81 हजार 671.99 किलोमीटर
मेटल सड़कें	2 हजार 33.65 किलोमीटर
ग्रेवल सड़कें	36 हजार 262.06 किलोमीटर
मौसमी सड़कें	2 हजार 929.55 किलोमीटर
सड़कों से जुड़े कुल गांव **(मार्च, 2017 तक)**	35 हजार 372 (अनुमानित)
राज्य में पंजीकृत वाहनों की संख्या	148.99 लाख
विद्युत उत्पादन	
विद्युतीकृत शहरों/गांवों की कुल संख्या	समस्त 297 शहर एवं 43 हजार 962 गांव
विद्युतीकृत कुओं की कुल संख्या	13.13 लाख
विद्युत अधिष्ठापित क्षमता	18 हजार 674.68 मेगावाट
पेयजल	
लाभान्वित क्षेत्र (31 दिसम्बर, 2016 तक)	समस्त शहर एवं 42 हजार 952 ग्रामों में
बस्तियां/ढाणियां (हेबिटेसन)	68 हजार 76

कृषि	
कृषि उत्पादन (2016–17 में अनुमानित)	
अनाज	181.03 लाख टन
दलहन	33.30 लाख टन
खाद्यान्न	214.33 लाख टन
तिलहन	63.89 लाख टन
ग्वार	14.05 लाख टन
गन्ना	3.65 लाख टन
कपास	15.60 लाख गांठें (170 किलोग्राम प्रति गांठ)
जल संसाधन विभाग	
कुल सिंचित क्षेत्रफल **(वर्ष 2015–16)**	105.62 लाख हैक्टेयर
वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल **(वर्ष 2015–16)**	79.38 लाख हैक्टेयर
राज्य में सिंचाई के मुख्य स्त्रोत	नहरें, तालाब, कुएं एवं नलकूप
राज्य में पूर्ण की गई सिंचाई परियोजनाओं की संख्या **(मार्च, 2017 तक)**	14 हजार 771
पूर्ण की गई वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं की संख्या	119
पूर्ण की गई लघु सिंचाई परियोजनाओं की संख्या	14 हजार 652
राज्य में सतही जल से सिंचाई क्षमता	38.496 सी.सी.ए. लाख हैक्टेयर
वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं द्वारा सिंचाई क्षमता	33.692 सी.सी.ए. लाख हैक्टेयर
लघु सिंचाई परियोजनाएं द्वारा सिंचाई क्षमता	4.804 सी.सी.ए. लाख हैक्टेयर
इन्दिरा गांधी नहर परियोजना	
इन्दिरा गांधी नहर का उद्‌गम स्थान	पंजाब के हरिके बैराज से
प्रथम चरण का कार्य क्षेत्र	हरिके हैड से पूगल (बीकानेर) तक
द्वितीय चरण का कार्य क्षेत्र	पूगल (बीकानेर) से मोहनगढ़ (जैसलमेर) तक
परियोजना में प्रस्तावित लाभान्वित जिले	सिंचाई हेतु – 6 जिले (हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू एवं जैसलमेर) पेयजल हेतु – 10 जिले (हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, जोधपुर, बीकानेर, चूरू, जैसलमेर, झुंझुनु, सीकर, नागौर व बाड़मेर)
उद्योग विभाग	
राज्य में कुल लघु एवं दस्तकारी उद्योगों का पंजीयन (मार्च, 2017 तक)	5 लाख 53 हजार 388
विनियोजन	44 हजार 546.27 करोड़ रूपये
रोजगार उपलब्ध	26 लाख 75 हजार 508 व्यक्तियों को
जिला उद्योग केन्द्र	36
जिला उद्योग उपकेन्द्र	8
कुल पंजीकृत कारखानें	10 हजार 740
कारखानों में कार्यरत कुल श्रमिक	4 लाख 93 हजार 709 व्यक्ति
राज्य का पहला शिल्प ग्राम	हवाला (उदयपुर)

राजस्थान की जिलेवार नदियां

क्र.स.	जिला	नदियां
1.	अजमेर	सागरमती, सरस्वती, लूणी, खारी, डाई और बनास।
2.	नागौर	लूणी और हरसोर।
3.	टोंक	बनास, मासी, बांडी और सोहदरा।
4.	भीलवाड़ा	बनास, बेड़च, कोठारी, मानसी, खारी, मैनाली और चन्द्रभागा।
5.	जोधपुर	लूणी, मीठड़ी, जोजरी और गुणाई माता।
6.	जालोर	लूणी, बांडी, जवाई, खारी और सागी।
7.	सिरोही	पश्चिमी बनास, सूकड़ी, खारी, जवाई, सूकली, कपालगंगा, कृष्णावती और बांडी।
8.	बाड़मेर	सूकड़ी, लूणी और मीठड़ी।
9.	जैसलमेर	काकनेय, लाठी और धोगड़ी।
10.	पाली	लीलड़ी, सूकड़ी, जवाई और बांडी।
11.	उदयपुर	बेड़च, वाकल, सोम, जाखम, साबरमती, गौमती और कोठारी।
12.	राजसमन्द	बनास और चन्द्रभागा।
13.	डूंगरपुर	सोम, जाखम और माही।
14.	बांसवाड़ा	माही, अन्नास और चैनी।
15.	चित्तौड़गढ़	चम्बल, बनास, बेड़च, बामणी, गंभीरी, गुंजली, औराई और जाखम।
16.	कोटा	चम्बल, काली सिन्ध, पार्वती, आहू, परबन, निवाज और अंधेरी।
17.	बारां	परबन और पार्वती।
18.	झालावाड़	काली सिन्ध, आहू, निवाज, पिपलाज, चन्द्रभागा, परबन, अंधेरी, क्यासरी और घोड़ा पछाड़।
19.	सवाईमाधोपुर	चम्बल, बनास, मोरेल और गंभीर।
20.	बूंदी	कुराल, घोड़ा पछाड़, चम्बल, मेज और मंगली।
21.	जयपुर	बाणगंगा, बांडी, ढूंढ, मोरेल, साबी, डाई और मासी।
22.	भरतपुर	बाणगंगा, गंभीर, काकुंड, रूपारेल और पार्वती।
23.	धौलपुर	चम्बल, गंभीर और पार्वती।
24.	अलवर	साबी, रूपारेल, सोटा, चूहड़ और सिंध।
25.	दौसा	मोरेल और बाणगंगा।
26.	सीकर	कांटली, मन्था, साबी, कृष्णावती और सोटा।
27.	झुंझुनूं	कांटली।
28.	श्रीगंगानगर	घग्घर।
29.	हनुमानगढ़	घग्घर।
30.	प्रतापगढ़	माही और एराव।
31.	करौली	चंबल, गंभीर, अटा, मांची, बेसावट, बरखेड़ा, बद्रावती एवं जगर।

बीकानेर एवं चूरू जिले में कोई नदी नहीं हैं।

राजस्थान की जनसंख्या (जनगणना–2011 के अनुसार)						
क्र. सं.	जिला	जनसंख्या				
		कुल	पुरूष	महिला	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति
1.	गंगानगर	1969168	1043340	925828	720412	13477
2.	हनुमानगढ़	1774692	931184	843508	494189	14289
3.	बीकानेर	2363937	1240801	1123136	493646	7779
4.	चूरू	2039547	1051446	988101	451721	11245
5.	झुंझुनूं	2137045	1095896	1041149	360709	41629
6.	अलवर	3674179	1939026	1735153	653036	289249
7.	भरतपुर	2548462	1355726	1192736	557305	54090
8.	धौलपुर	1206516	653647	552869	245695	58594
9.	करौली	1458248	783639	674609	354465	324960
10.	सवाईमाधोपुर	1335551	704031	631520	278789	285848
11.	दौसा	1634409	857787	776622	354337	433344
12.	जयपुर	6626178	3468507	3157671	1003302	527966
13.	सीकर	2677333	1374990	1302343	418806	75349
14.	नागौर	3307743	1696325	1611418	699911	10418
15.	जोधपुर	3687165	1923928	1763237	608024	118924
16.	जैसलमेर	669919	361708	308211	99134	42429
17.	बाड़मेर	2603751	1369022	1234729	436414	176257
18.	जालोर	1828730	936634	892096	357196	178719
19.	सिरोही	1036346	534231	502115	201863	292470
20.	पाली	2037573	1025422	1012151	398096	144578
21.	अजमेर	2583052	1324085	1258967	478027	63482
22.	टोंक	1421326	728136	693190	287903	178207
23.	बूंदी	1110906	577160	533746	210788	228549
24.	भीलवाड़ा	2408523	1220736	1187787	407947	229273
25.	राजसमन्द	1156597	581339	575258	148168	160809
26.	डूंगरपुर	1388552	696532	692020	52267	983437
27.	बांसवाड़ा	1797485	907754	889731	80091	1372999
28.	चितौड़गढ़	1544338	783171	761167	250224	201546
29.	कोटा	1951014	1021161	929853	405408	183816
30.	बारां	1222755	633945	588810	221184	276857
31.	झालावाड़	1411129	725143	685986	243582	182229
32.	उदयपुर	3068420	1566801	1501619	188525	1525289
33.	प्रतापगढ़	867848	437744	430104	60429	550427
	योग	**68548437**	**35550997**	**32997440**	**12221593**	**9238534**

राज्य के संभागवार जिले

क्र. सं.	संभाग का नाम	जिले		क्र.सं.	संभाग का नाम	जिले
1	2	3		1	2	3
1	अजमेर	अजमेर		5	जोधपुर	बाड़मेर
		भीलवाड़ा				जैसलमेर
		नागौर				जालोर
		टोंक				जोधपुर
2	भरतपुर	भरतपुर				पाली
		धौलपुर				सिरोही
		करौली		6	कोटा	बारां
		सवाईमाधोपुर				बून्दी
3	बीकानेर	बीकानेर				झालावाड़
		चूरू				कोटा
		श्रीगंगानगर		7	उदयपुर	बांसवाड़ा
		हनुमानगढ़				चित्तौड़गढ़
4	जयपुर	अलवर				डूंगरपुर
		दौसा				राजसमन्द
		जयपुर				उदयपुर
		झुन्झुनूं				प्रतापगढ़
		सीकर				

योजनावार प्रावधान एवं व्यय का विवरण

(राशि करोड़ रूपयों में)

योजना	अवधि	प्रावधान	वास्तविक व्यय
प्रथम पंचवर्षीय योजना	1951-56	64.50	54.15
द्वितीय पंचवर्षीय योजना	1956-61	105.27	102.74
तृतीय पंचवर्षीय योजना	1961-66	236.00	212.70
वार्षिक योजना	1966-67	48.87	48.90
वार्षिक योजना	1967-68	43.65	39.88
वार्षिक योजना	1968-69	40.08	47.98
चौथी पंचवर्षीय योजना	1969-74	306.21	308.79
पांचवीं पंचवर्षीय योजना	1974-79	847.16	857.62
वार्षिक योजना	1979-80	275.00	290.19
छठीं पंचवर्षीय योजना	1980-85	2025.00	2120.45
सातवीं पंचवर्षीय योजना	1985-90	3000.00	3106.18
वार्षिक योजना	1990-91	956.00	975.57
वार्षिक योजना	1991-92	1170.00	1184.41
आठवीं पंचवर्षीय योजना	1992-97	11500.00	11998.97
नवीं पंचवर्षीय योजना	1997-2002	27650.00	19566.82
दसवीं पंचवर्षीय योजना	2002-2007	31831.75	33951.21
ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना	2007-2012	71731.98	93954.34

बारहवीं पंचवर्षीय योजना 2012–17 एवं वार्षिक योजना 2016–17 में प्रावधान

(राशि करोड़ रू0 में)

क्र.सं.	विकास का शीर्ष/सेक्टर	बारहवीं पंचवर्षीय योजना (2012–17)		वार्षिक योजना 2016–17 (उदय योजना सहित)	
		राशि	%	राशि	%
1	कृषि एवं सम्बद्ध सेवाएं	10977.13	5.57	5606.74	5.62
2	ग्रामीण विकास	17738.39	9.00	12292.44	12.33
3	विशिष्ट क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम	1151.94	0.59	260.00	0.26
4	सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	7853.91	3.99	2300.61	2.31
5	ऊर्जा	72723.25	36.92	31540.80	31.64
6	उद्योग एवं खनिज	993.52	0.50	530.45	0.53
7	परिवहन	10408.22	5.28	6327.14	6.35
8	वैज्ञानिक सेवाएं	242.07	0.12	111.28	0.11
9	सामाजिक एवं सामुदायिक सेवाएं	69490.58	35.28	38104.84	38.22
10	आर्थिक सेवाएं	3673.83	1.87	1789.30	1.80
11	सामान्य सेवाएं	1739.16	0.88	829.70	0.83
	कुल	**196992.00**	**100.00**	**99693.30**	**100.00**

भारत एवं राजस्थान की जनसंख्या एक दृष्टि में

(15वीं जनगणना, 2011 के अनुसार)

क्र.सं.	विवरण		भारत	राजस्थान
1.	जनसंख्या	कुल	1,21,05,69,573	6,85,48,437
		पुरूष	62,31,21,843	3,55,50,997
		महिला	58,74,47,730	3,29,97,440
2.	दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर	1981-1991	23.87	28.44
		1991-2001	21.52	28.41
		2001-2011	17.70	21.30
3.	महिला पुरूष अनुपात (प्रति 1000 पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)	1981-1991	926	910
		1991-2001	933	921
		2001-2011	943	928
4.	0–6 आयु वर्ग के बच्चियों एवं बच्चों का अनुपात	1991-2001	927	909
		2001-2011	919	888
5.	जनसंख्या घनत्व प्रति वर्ग कि.मी.	1981-1991	267	129
		1991-2001	325	165
		2001-2011	382	200
6.	साक्षरता दर	कुल	73.00	66.10
		पुरूष	80.90	79.20
		महिला	64.60	52.10

राजस्थान के राज्यपाल

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल	
		कब से	कब तक
1.	श्री सवाई मानसिंह महाराज (राजप्रमुख)	30.03.1949	31.10.1956
2.	सरदार गुरूमुख निहाल सिंह	01.11.1956	15.04.1962
3.	डॉ. संपूर्णानंद	16.04.1962	15.04.1967
4.	सरदार हुकूम सिंह	16.04.1967	19.11.1970
5.	श्री जगत नारायण (कार्यवाहक)	20.11.1970	23.12.1970
6.	श्री हुकूम सिंह	24.12.1970	30.06.1972
7.	सरदार जोगिन्दर सिंह	01.07.1972	14.02.1977
8.	श्री वेदपाल त्यागी (कार्यवाहक)	15.02.1977	11.05.1977
9.	श्री रघूकुल तिलक	12.05.1977	08.08.1981
10.	श्री के.डी. शर्मा (कार्यवाहक)	09.08.1981	05.03.1982
11.	श्री ओ.पी. मेहरा	06.03.1982	04.01.1985
12.	श्री पी.के. बनर्जी (कार्यवाहक)	05.01.1985	31.01.1985
13.	श्री ओ.पी. मेहरा	01.02.1985	03.11.1985
14.	श्री डी.पी. गुप्ता (कार्यवाहक)	04.11.1985	19.11.1985
15.	श्री वसन्त राव पाटील	20.11.1985	14.10.1987
16.	श्री जगदीश शरण वर्मा (कार्यवाहक)	15.10.1987	19.02.1988
17.	श्री सुखदेव प्रसाद	20.02.1988	02.02.1989
18.	श्री जगदीश शरण वर्मा (कार्यवाहक)	03.02.1989	19.02.1989
19.	श्री सुखदेव प्रसाद	20.02.1989	02.02.1990
20.	श्री मिलाप चन्द जैन (कार्यवाहक)	03.02.1990	13.02.1990
21.	प्रो. देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय	14.02.1990	25.08.1991
22.	डॉ. स्वरूप सिंह (राज्यपाल,गुजरात) (अतिरिक्त कार्यभार)	26.08.1991	04.02.1992
23.	डॉ. एम. चेन्ना रेड्डी	05.02.1992	30.05.1993
24.	श्री धनिकलाल मण्डल (राज्यपाल, हरियाणा) (अतिरिक्त कार्यभार)	31.05.1993	29.06.1993
25.	श्री बलिराम भगत	30.06.1993	30.04.1998
26.	श्री दरबारा सिंह	01.05.1998	24.05.1998
27.	श्री नवरंग लाल टिबरेवाल (कार्यवाहक)	25.05.1998	15.01.1999
28.	श्री अंशुमान सिंह	16.01.1999	13.05.2003
29.	श्री निर्मल चन्द जैन	14.05.2003	22.09.2003
30.	श्री कैलाशपति मिश्र (राज्यपाल, गुजरात) (अतिरिक्त कार्यभार)	22.09.2003	13.01.2004
31.	श्री मदन लाल खुराना	14.01.2004	01.11.2004
32.	श्री टी.वी. राजेश्वर (राज्यपाल, उ.प्र.) (अतिरिक्त कार्यभार)	01.11.2004	08.11.2004
33.	श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील	08.11.2004	23.06.2007
34.	डॉ. ए. आर. किदवई (राज्यपाल, हरियाणा) (अतिरिक्त कार्यभार)	23.06.2007	06.09.2007
35.	श्री एस. के. सिंह	06.09.2007	01.12.2009
36.	श्रीमती प्रभा राव (राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश) (अतिरिक्त कार्यभार)	03.12.2009	24.01.2010
37.	श्रीमती प्रभा राव	25.01.2010	26.04.2010
38.	श्री शिवराज पाटिल (राज्यपाल, पंजाब) (अतिरिक्त कार्यभार)	28.04.2010	12.05.2012
39.	श्रीमती मार्ग्रेट आल्वा	12.05.2012	07.08.2014
40.	श्री राम नाईक (अतिरिक्त कार्यभार)	08.08.2014	03.09.2014
41.	श्री कल्याण सिंह	04.09.2014	लगातार.....

राजस्थान के मुख्यमंत्री

क्र.सं.	नाम	कार्यकाल	
		कब से	कब तक
1.	श्री हीरालाल शास्त्री	07.04.1949	05.01.1951
2.	श्री सी.एस. वेंकेटचारी	06.01.1951	25.04.1951
3.	श्री जय नारायण व्यास	26.04.1951	03.03.1952
4.	श्री टीकाराम पालीवाल	03.03.1952	31.10.1952
5.	श्री जय नारायण व्यास	01.11.1952	12.11.1954
6.	श्री मोहन लाल सुखाड़िया	13.11.1954	13.03.1967
7.	राष्ट्रपति शासन	14.03.1967	25.04.1967
8.	श्री मोहन लाल सुखाड़िया	26.04.1967	09.07.1971
9.	श्री बरकतुल्ला खाँ	09.07.1971	11.10.1973
10.	श्री हरिदेव जोशी	11.10.1973	29.04.1977
11.	राष्ट्रपति शासन	30.4.1977	21.06.1977
12.	श्री भैरोंसिंह शेखावत	22.06.1977	16.02.1980
13.	राष्ट्रपति शासन	17.02.1980	05.06.1980
14.	श्री जगन्नाथ पहाड़िया	06.06.1980	13.07.1981
15.	श्री शिवचरण माथुर	14.07.1981	23.02.1985
16.	श्री हीरालाल देवपुरा	23.02.1985	10.03.1985
17.	श्री हरिदेव जोशी	10.03.1985	20.01.1988
18.	श्री शिवचरण माथुर	20.01.1988	04.12.1989
19.	श्री हरिदेव जोशी	04.12.1989	04.03.1990
20.	श्री भैरोंसिंह शेखावत	04.03.1990	15.12.1992
21.	राष्ट्रपति शासन	15.12.1992	04.12.1993
22.	श्री भैरोंसिंह शेखावत	04.12.1993	01.12.1998
23.	श्री अशोक गहलोत	01.12.1998	08.12.2003
24.	श्रीमती वसुंधरा राजे	08.12.2003	13.12.2008
25.	श्री अशोक गहलोत	13.12.2008	12.12.2013
26.	श्रीमती वसुंधरा राजे	13.12.2013	लगातार.....

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष

क्र.स.	नाम	कार्यकाल	
		कब से	कब तक
1.	श्री नरोत्तम लाल जोशी	31.03.1952	25.04.1957
2.	श्री राम निवास मिर्धा	25.04.1957	03.05.1967
3.	श्री निरंजन नाथ आचार्य	03.05.1967	20.03.1972
4.	श्री राम किशोर व्यास	20.03.1972	18.07.1977
5.	श्री लक्ष्मण सिंह	18.07.1977	20.06.1979
6.	श्री गोपाल सिंह	25.09.1979	07.07.1980
7.	श्री पूनम चन्द विश्नोई	07.07.1980	20.03.1985
8.	श्री हीरा लाल देवपुरा	20.03.1985	16.10.1985
9.	श्री गिर्राज प्रसाद तिवाड़ी	31.01.1986	11.03.1990
10.	श्री हरि शंकर भाभड़ा	16.03.1990	21.12.1993
		30.12.1993	05.10.1994
11.	श्री शांति लाल चपलोत	07.04.1995	18.03.1998
12.	श्री समरथ लाल मीना	24.07.1998	04.01.1999
13.	श्री परसराम मदेरणा	06.01.1999	15.01.2004
14.	श्रीमती सुमित्रा सिंह	16.01.2004	01.01.2009
15.	श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत	02.01.2009	20.01.2014
16.	श्री कैलाश चन्द्र मेघवाल	22.01.2014	लगातार.....

राजस्थान के मेले एवं उत्सव

उत्सव एवं मेले	स्थान	विक्रम संवत	2017	2018	2019
ऊंट मेला	बीकानेर	पोष–शुक्लपक्ष (14–15)	14–15 जनवरी	13–14 जनवरी	12–13 जनवरी
नागौर मेला (रामदेवजी पशु मेला)	नागौर	माघ–शुक्लपक्ष (05–08)	01–04 फरवरी	**22–25 जनवरी**	10–13 फरवरी
बेणेश्वर मेला	बेणेंश्वर (डूंगरपुर)	माघ–शुक्लपक्ष (11–15)	07–11 फरवरी	27–31 जनवरी	15–19 फरवरी
महावीर जी मेला	(महावीरजी)	चैत्र–शुक्लपक्ष (09–15)	09 अप्रेल	28 मार्च	18 अप्रेल
कजली तीज मेला	बून्दी	भादरा–कृष्णपक्ष (02–03)	09–10 अगस्त	28–29 अगस्त	17–18 अगस्त
कोलायत मेला	बीकानेर	कार्तिक–पूर्णिमा	02–04 नवंबर	21–23 नवंबर	10–12 नवंबर
पुष्कर मेला	पुष्कर (अजमेर)	कार्तिक–शुक्लपक्ष (08–15)	28 अक्टूबर–04 नवम्बर	15–23 नवम्बर	04–12 नवम्बर
चन्द्रबागा मेला	झालावाड़	कार्तिक–शुक्लपक्ष 14–माघ–कृष्ण–1	03–05 नवम्बर	22–24 नवम्बर	11–13 नवम्बर
शीत महोत्सव	माउण्ट आबू (सिरोही)	पोष	29–30 दिसम्बर	29–30 दिसम्बर	29–30 दिसम्बर
पतंग उत्सव	जयपुर		14 जनवरी	14 जनवरी	14 जनवरी
धूलण्ड़ी उत्सव	जयपुर	चैत्र–कृष्णपक्ष (01)	13 मार्च	02 मार्च	21 मार्च
गणगौर उत्सव	जयपुर	चैत्र–शुक्लपक्ष (03–04)	29–30 मार्च	18–19 मार्च	06–07 अप्रेल
तीज उत्सव	जयपुर	श्रावण–शुक्लपक्ष (03–04)	26–27 जुलाई	13–14 अगस्त	03–04 अगस्त
रणकपुर उत्सव	पाली	दिसम्बर	21–22 दिसम्बर	21–22 दिसम्बर	21–22 दिसम्बर

उत्सव एवं मेले	स्थान	विक्रम संवत	2017	2018	2019
बून्दी महोत्सव	बून्दी		06–08 नवम्बर	26–28 नवम्बर	15–17 नवम्बर
मेवाड़ उत्सव	उदयपुर	चैत्र–शुक्लपक्ष (03–05)	29–31 मार्च	18–20 मार्च	08–10 अप्रेल
ग्रीष्म महोत्सव	माउण्ट आबू (सिरोही)	बैसाख 13–15 बुद्ध पूर्णिमा	09–10 मई	29–30 अप्रेल	17–18 मार्च
आभानेरी उत्सव	दौसा		21–23 सितंबर	10–13 सितंबर	29–30 सितंबर
मरू उत्सव	जैसलमेर	माघ–शुक्लपक्ष (13–15)	08–10 फरवरी	29–31 जनवरी	17–19 फरवरी
मत्स्य उत्सव	अलवर	आश्विन–शुक्लपक्ष (08–09)	25–26 नवंबर	25–26 नवंबर	25–26 नवंबर
मारवाड़ महोत्सव	जोधपुर	आश्विन–शुक्लपक्ष (14–15)	04–05 अक्टूबर	23–24 अक्टूबर	12–13 अक्टूबर

————